आज है गोप अष्टमी आई

आज है गोप अष्टमी आई,
गोसदन गोधाम गोशाला,
खूब सजी है भाई ॥

गौओं का शिंगार है सुन्दर ।
हर बछड़े पै निखार है सुन्दर ॥
चमक रहे खुर सींग स्वर्णी,
शोभा वरन न जाई - आज...

आरती पूजा थाल सजे हैं।
गाजे बाजे खूब बजे हैं ॥
बरस रहे हैं फूल सुगन्धित,
महक रही पुरवाई - आज...

गोनाम कीर्तन की मस्ती ।
रस में डूबी है सब बस्ती ॥
संत भक्त गुणगान करत हैं,
जै जैकार बुलाई - आज...

कर परिकरमा नमस्कार कर ।
गो वरदान से झोली लो भर ॥
गोमेले में आज 'मधुप' तुम,
करलौ दर्श कन्हाई - आज...

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36915/title/aaj-hai-Gopashtmi-aayi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |